Yashoda Girls' Arts & Commerce College, Nagpur

Department of Home Economics

Assignment

Session: 2017-2018

Subject: Home Economics

Certificate

Name of the Department ______________________

This is to Certify that this Practical Record contains this bonafied practical Work of Mr./Ms. blita lokmani vishwakarma

Class B.A.I Se. during the academic year

Date: 2017-18

Signature of Teacher who taught the examine

1)

2) PRINCIPAL
Yashoda Girls Arts & Commerce College
Sneh Nagar, Nagpur-15

SEAL

3)

Asst. Profess--
HOD of Home-Eco
Yashoda Girls' Arts & Com.
College, Nagpur-15

Head of the Department

www.navneet.com

Date : Page :

Topic :

Question

गृहव्यवस्थापन याने क्या बतलाकर परिवारीक साधन संपत्ति पर परिणाम करने वाले घटक स्पष्ट करो ?

FAMILY RESOURCE MANAGEMENT

- Housing
- Interior decoration
- Consumer education
- Types of resources
- Home economics & Money mgt.
- Time management
- Ergonomics & Energy mgt.
- Household equipment & Physics
- Environment, Garbage mgt.
- Values, Standards and goals
- Arts and crafts

प्रस्तावना

गृहव्यवस्थापन प्रक्रिया मे परिवारीक लक्ष्यों कि प्राप्ति हेतु परिवारीक साधन संपत्ति का नियोजन, नियंत्रण एवं मूल्यांकन किया जाता है। परिवारीक साधन संपत्ति के बगैर गृहव्यवस्थापन प्रक्रिया नही हो सकती किसी भी कार्य को करने के लिए साधनों की आवश्यकता होती है। उसे परिवारीक साधन संपत्ति कहते है।

प्रत्येक परिवार के पास साधन उपलब्ध होते है। किंतु उनके प्रमाण एवं प्रकृति में भिन्नता दिखाई देती है। उपलब्ध साधन संपत्ति का सर्वोत्तम उपयोग कर परिवार के सदस्यों को अधिकतम सुख एवं संतोष प्रदान करना गृहव्यवस्थापन प्रक्रिया में परिवारीक साधन संपत्ति का उपयोग बड़ा है। कुशलता से साध्य कर पूर्व निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त हेतु गृहव्यवस्थापन में परिवारीक साधन संपत्ति को मितव्ययता विवेकशीलता निपुणता एवं कुशलतापूर्वक प्रयोग कर परिवार के सदस्यों को अधिकतम सुख ! शांति, लाभ आनंद एवं संतुष्टि प्रदान करे।

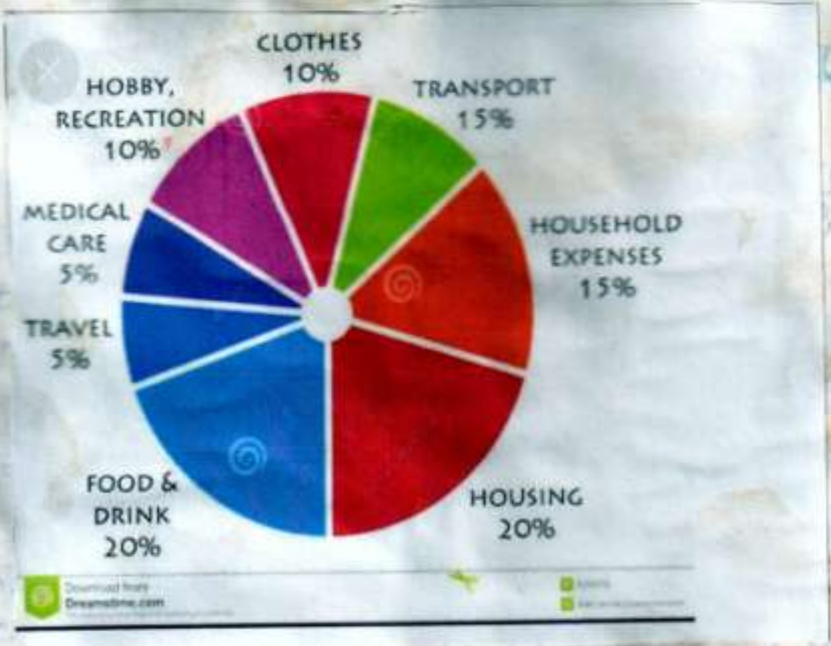
CLOTHES
10%
HOBBY,
RECREATION
10%
TRANSPORT
15%
MEDICAL
CARE
5%
HOUSEHOLD
EXPENSES
15%
TRAVEL
5%
FOOD &
DRINK
20%
HOUSING
20%
Dreamstime.com

www.navneet.com

Date : Page :

Topic :

प्ररिवारीक साधन संपत्ति के व्यवस्थापन को प्रभावित करने वाले घटक

व्यवस्थापन प्रक्रिया सभी साधन संपत्ति पर होती है। किंतु चूंकि प्रत्येक परिवार के पास साधन संपत्ति भिन्न - भिन्न मात्रा एवं प्रमाण में उपलब्ध होते है। अतः परिवारीक साधन संपत्ति के व्यवस्थापन पर प्रत्येक घटक का परिणाम समान नहीं होता पारिवारिक साधनों संपत्ति के व्यवस्थापन को प्रभावित करने वाले घटक है।

परिवार की आय

परिवार की आय कार्य के प्रकार पर निर्भर करती है। प्रत्येक परिवार की आय भिन्न - भिन्न आय यह कार्य के प्रकार अनुसार वार्षिक मासिक साप्ताहिक दैनिक स्वरूप की होती है। वहीं दैनिक आय प्राप्त करने वाले व्यक्ति का विविध साधन संपत्ति का व्यवस्थापन मसिक आय प्राप्त करने वाले व्यक्ति से भिन्न होगा।

[illegible]

आय का स्रोत नियमित हो तो साधना संपत्ति का व्यवस्थापन करना उतना तनाव पूर्ण नहीं होता किंतु अनियमित आय वाले परिवार को साधनों का व्यवस्थापन विचार पूर्वक करना पड़ता है।

आय अधिक होतो अमानवीय साधनों का उपयोग अधिक होता है। जैसे - जैसे कम आय वाले परिवार की गृहणी अपनी रूचि, योग्यता, कौशल्य एंव ज्ञान के आधार पर विविध घरेलु कार्यों को स्वय करेगी एंव अपनी योग्यता एंव ज्ञान के आधार पर धन की बचत एंव वृद्धि भी करेगी। इसी प्रकार भौतिक सुख सुविधाओं एंव सामुदायिक सेवाओं का भी उपयोग अधिक होगा।

इस प्रकार परिवारिक साधन संपत्ति का व्यवस्थापन परिवारीक आय पर भी निर्भर होता है। इस प्रकार साधन संपत्ति के व्यवस्थापन को प्रभावित करने वाले घटको में परिवार की आय एक महत्वपूर्ण घटक है।

परिवार का आर्थिक आय

आर्थिक स्तर पर ही व्यक्ति का खान-पान रहन - सहन निवास, सुख सुविधाएँ निर्भर होती है। व्यक्ति की आय के अनुसार आर्थिक स्तर को निम्न, मध्यम एंव उच्च तीन वर्गों मे विभाजित किया जाता है। इस प्रकार साधन संपत्ति के व्यवस्थापन को परिवार का आर्थिक जीवन स्तर विशेष रूप से प्रभवित होता है।

[illegible]

[illegible]

ਪਰਿਵਾਰ ਕੌਂਸਲਿੰਗ ਦੇ ਉਦੇਸ਼

[illegible]

परिवार का आकार

परिवार का आकार परिवारिक सदस्यों की संख्या पर आधारित होता है। जिस परिवार में सदस्यों की संख्या जितनी अधिक होगी उसका आकार उतना ही बड़ा होगा। एवं काम सदस्य संख्या वाले परिवार का आकार निश्चित रूप से छोटा होगा।

परिवार का आकार जितना बड़ा होगा उतने अधिक प्रमाण मे साधन संपत्ति का उपयोग किया जाएगा। कार्य अधिक प्रमाण में होने के कारण समय एवं शक्ति के व्यवस्था पर प्रभाव पड़ेगा। साथ ही सदस्य संख्या अधिक होने से अन्न वस्त्र एवं आवश्यक वस्तुओं पर पैसा भी अधिक प्रमाण में उपयोग में आएगा। अत: व्यवस्थापना प्रक्रिया पर प्रभाव पड़ेगा।

परिवार का प्रकार

साधन संपत्ति के व्यवस्थापन को परिवार का प्रकार भी प्रभावित करता है। परिवार दो प्रकार के होते है।

(1) संयुक्त परिवार
(2) एकल परिवार

यदि संयुक्त परिवार है तो सदस्यो कि संख्या अधिक होने के कारण कार्य का विभाजन कर शक्ति के योग्य व्यवस्थापन किया जा सकता है।

www.navneet.com
Date : Page :
Topic :

वहीं विभक्त परिवार मे गृहणी पर ही सारे कार्य का बोझ होता है। अतः शक्ति एंव समय व्यवस्थापन पर प्रभाव पड़ता है।

परिवारीक जीवनचक्र

परिवारीक जीवनचक्र की प्राथमिक अवस्था पती, पत्नी एंव उनकी पहली संतान के जन्म तक की मानी जाती है। यह अल्पकालीन अवस्था है। एंव इस अवस्था मे गृहणी के पास समय, शक्ति यह साधन पूर्णमात्रा में उपलब्ध होते है।

विस्तारीत अवस्था पहली संतान के जन्म से लेकर उसकी शिक्षा पूर्ण होने या नौकरी लगने तक की मानी जाती है। बच्चे तब तक छोटे एंव परावलंबी है। तब तक गृहणी को प्रत्येक साधन जैसे समय, शक्ति, पैसा, भौतिक वस्तुएं आदि के योग्य व्यवस्थापन की आवश्यकता होती है। किंतु बच्चे जैसे-जैसे बड़े होते है। उनकी आवश्यकताओं मे भी वृद्धि होने लगती है। अतः धन इस साधन संपत्ति के व्यवस्थापन पर प्रभाव पड़ता है।

परिवारीक जीवनचक्र की अतिंम अवस्था गृहप्रमुख के सेवानिवृत्ती का काल है। प्रत्येक परिवार मे जीवनचक्र की इस अवस्था मे भिन्नता दिखाई देती है। कुछ परिवार में बेटे - बहू माता - पिता के साथ रहते है तो कुछ में नौकरी हेतु दुसरे शहर या देश मे स्थाई हो जाते है। यादि माता - पिता अकेले हो रह रहे है तो समय भरपूर होता है। केवल दो व्यक्ति

www.navneet.com

होने के कारण अन्न, वस्त्र, मनोरंजन आदि पर अधिक खर्च नहीं होता किंतु वृद्धा अवस्था में विविध रोग या स्वास्थ्य उत्तम न होने पर अस्पताल एंव दवाईयों पर खर्च करना पड़ता है।

परिवार का निवास स्थान

निवास किसी स्थान पर है। वह शहर के बीचों - बीच है या शहर के बाहर, यह भी साधनों के व्यवस्थापन पर प्रभाव डालता है। तो कार्यालय, बाजार, अस्पताल, बैंक, स्कूल, महाविद्यालय, स्टेशन, बस स्टॉप आदि के लिए धन, समय एंव शक्ति अधिक व्यय होगी, वही यदि निवास शहर के मध्य भाग में स्थिर हो तो सारी सामुदायिक सुविधाएँ निवास से अधिक दूर ना होने के कारण धन, समय शक्ति आदि साधन संपत्ति की बचत होती है।

Date : Page :
Topic :

कामकाजी महिला

(7) गृहणी कामकाजी है या घरेलू यह भी साधन संपत्ति के व्यवस्थापन को प्रभावित करता है। अतः साधन संपत्ति के व्यवस्थापन पर प्रभाव पड़ता है। कामकाजी महिला भौतिक वस्तुओं एंव सामुदायिक सुख सुविधाओं का उपयोग घरेलू महिलाओं की तुलना में अधिक करती है क्योंकि इनके पास धन अधिक प्रमाण मे उपलब्ध होता है।

कामकाजी महिला एंव घरेलु महिला दोनों की ही आवश्यकता एंव दिनचर्या भिन्न - भिन्न होती है। एंव इसका भी प्रभाव दोनो के साधन संपत्ति व्यवस्थापन पर पड़ता है।

जीवन के प्रति दृष्टिकोण

(8) व्यक्ति का जीवन के प्रति दृष्टिकोण भी साधन संपत्ति के व्यवस्थापन को प्रभावित करता है। ऐसे व्यक्ति भौतिक सुख सुविधाओं का उपयोग नही करते उनकि जीवन पद्धति कार्य पद्धति, दिनचर्या सामान्य सांसारिक जीवन व्यतित करने वाले व्यकित से भिन्न होता है। अतः उसकी मानवीय एंव अमानवीय साधन संपत्ति की मांग सन्यासी जीवन व्यतीत करने वाले व्यक्ति से भिन्न होती है। अतः साधनों के व्यवस्थापन पर जीवन के प्रति दृष्टिकोण का प्रभाव पड़ता है।

6 mos.
2 yrs.
5 yrs.
8 yrs.
11 yrs.
14 yrs.
16 yrs.

www.navneet.com
Date : Page :
Topic :

9) ## व्यवस्थापनकुशलता

व्यक्ति यदि व्यवस्थापन कुशलता है तो वह सीमित साधनों का योग्य उपयोग कर पारिवारिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल होगी किंतु व्यवस्थापन कुशलता के अभाव में पर्याप्त साधन होने पर योग्य व्यवस्थापन के अभाव में पारिवारीक लक्ष्यों की प्राप्ति नहीं होगी परिणामस्वरूप परिवार में उदासी, निराशा, असंतुष्टता, कुंठा एवं

10) ## परिवार के सदस्यों का स्वास्थ

उत्तम जीवन व्यतित करने हेतु परिवार के सदस्यों का स्वास्थ उत्तम होना आवश्यक है परिवार मे यदि एक भी सदस्य का स्वास्थ बिगड गया तो उसका परिणाम सभी साधनों पर पडता है। इसके अलावा यदि दीर्घलीन बीमारी हो तब तो और भी विचार पूर्वक साधन संपत्ति का व्यवस्थापन करना होता है। जैसे - यदि परिवार मे किसी को सीक लसेल है। तो हर माह रक्त परिवर्तन करना अचानक तबियत खराब होने पर अस्पताल में भर्ती करना पडता है। एंव अधिक धन स्वास्थय पर खर्च होने पर अन्य वस्तुओं पर कम धन खर्च कर आवश्यक वस्तुओं को प्राधान्य देना होता है। ऐसा समय भौतिक सुख - सुविधाओं का अधिक उपयोग नहीं किया जा सकता।

www.navneet.com

Date : Page :

Topic :

आकस्मिक परिस्थिति

जीवन मे कब क्या होगा यह कोई नही जानता एंव अचानक ऐसी परिस्थिति उत्पन्न होने पर साधन संपत्ति मे व्यवस्थापन पर प्रभाव पड़ता है। जैसे अपघात होना, मृत्यु बिमारी, भुकंप, बाढ घर मे चोरी, रिश्ते दारी मे, बेटी की शादी, ऐसे समय सभी प्रकार की मानवीय एंव अमानवीय साधन संपत्ति प्रभावित होती है।